# सत्रीय कार्य पुस्तिका

**(जनवरी, 2014 और जुलाई, 2014 सत्र के लिए)**

## मधुमक्खी पालन में प्रमाणपत्र
## (सी आई बी)

**शैक्षणिक वर्ष 2014 के लिए सत्रीय कार्य**

टिप्पणी: विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे सर्वप्रथम सत्रीय कार्य / प्रश्नों निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सत्रीय कार्य के विषय को समझ लें। उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक इकाई के प्रासंगिक अंक और उपअंश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर अपने शब्दों में अपना उत्तर तैयार करें। आपका उत्तर उध्ययन सामग्री/खंड जो कि स्वअध्ययन के लिए प्रदान किए गये हैं उनकी अभिव्यक्ति मात्र नहीं होना चाहिए। आपको यह सलाह भी दी जाती है कि सत्रीय कार्य तैयार करने के पूर्व आप अगर सम्भव हो तो अतिरिक्त सामग्री जो कि आपके अध्ययन केन्द्र पर अन्य किसी पुस्तकालय में उपलब्ध है का भी अध्ययन कर सकते हैं। परन्तु अतिरिक्त अध्ययन इन सत्रीय कार्य को तैयार करने के लिए जरूरी है।

*कृषि विद्यापीठ*
**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय**
**नई दिल्ली–110068**

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा की आपको ज्ञात है कि सैद्धान्तिक अंतिम चरण के लिए 80% महत्व सैद्धान्तिक परीक्षा तथा 20% महत्व तथा सौपें हुए कार्य (सत्रीय कार्य) का महत्व होगा। सौपें हुए कार्य को तैयार करने के निर्देश नीचे दिए जा रहे हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य 50 अंकों का होगा यानि संपूर्ण कार्यक्रम के लिए कुल 4 सत्रीय कार्य होगें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों को होगा जो कि बाद में सैद्धान्तिक परीक्षा के 20% के बराबर होगा।

## सत्रीय कार्य तैयार करने के लिए निर्देश

1. सत्रीय कार्य लिखने से पहले निम्नलिखित निर्देशों का अच्छी प्रकार अध्ययन कर ले। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर विस्तृत सूचना आरूप में दे।

---

नामांकन संख्या.....
नाम.....
पता .....
.....
.....

पाठ्यक्रम नियमावली.....
पाठ्यक्रम शीर्षक .....
अध्ययन केंन्द्र..... दिनांक.....
(नाम तथा नामावली)

---

मूल्यांकन को सरल बनाने तथा देरी से बचाव के लिए कृपया दिये गये आरूप का सख्ती से पालन करें।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए पूर्ण आकार के पन्ने का प्रयोग करें।
3. अपनी अभ्यासपुस्तिका के शीर्ष, तले तथा बायीं ओर 4 सेन्टीमीटर का स्थान खाली छोड़ें।
4. उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या और प्रश्न के उस भाग को जिसको हल किया गया है अच्छी प्रकार इंगित करें।

| **सत्रीय कार्य संख्या** | **जमा करने की तारीख (जनवरी, 2014 के लिए)** | **जमा करने की तारीख (जुलाई, 2014 के लिए)** |
|---|---|---|
| सत्रीय कार्य 1 (OAPI-011) | 15 मार्च, 2014 से पहले | 31 जुलाई, 2014 से पहले |
| सत्रीय कार्य 2 (OAPI-012) | 15 अपैल, 2014 से पहले | 17 अगस्त, 2014 से पहले |
| सत्रीय कार्य 3 (OAPI-013) | 31 मई, 2014 से पहले | 21 सितम्बर, 2014 से पहले |

5. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को भेजें।
6. हम बलपूर्वक सुझाव देते हैं कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक

शुभकामनाओं सहित।

## सत्रीय कार्य – 1
## पाठ्यक्रम कोड: OAPI-011
## पाठ्यक्रम शीर्षक: मधुमक्खी पालन का परिचय

**अधिकतम अंक–50**

**नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।**

प्रश्न 1. हमारे देश में वैज्ञानिक ढंग से मधुमक्खी पालन के बारे में एक विस्तार से विश्लेषण प्रस्तुत करें। 10

प्रश्न 2. वर्तमान काल में मधुमक्खी पालन परम्परागत मधुमक्खी पालन से ज्यादा लाभकारी एवं संसाधन दक्ष क्यों है? वर्णन करें। 10

प्रश्न 3. मधुमक्खीयों के सामान्य व्यवहारिक तरीकें कौन–2 से हैं? विस्तार से वर्णन करें। 10

प्रश्न 4. मधुमक्खी वनस्पति (फ्लोरा) एवं मधुमक्खी चारागाह में क्या भिन्नतायें है? मधुमक्खी फ्लोरा की सघनता मधु प्रवाह को कैसे प्रभावित करती हैं? उचित चित्रण के द्वारा वर्णन करें। 10

प्रश्न 5. फसल उत्पादकता बढ़ानें में मधुमक्खी परागण कितना महत्वपूर्ण है? उचित उदाहरण के साथ वर्णन करें। 10

## सत्रीय कार्य – 2
## पाठ्यक्रम कोड: OAPI-012
## पाठ्यक्रम शीर्षक: मधुमक्खी कालोनी का प्रबन्धन

**अधिकतम अंक–50**

**नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।**

प्रश्न 1. वर्तमान काल की मधुमक्खी पालन में वर्रोवा माइट (mite) का क्या महत्व है? इसके पहचान, संक्रमण के लक्षण, तथा नियंत्रण की विस्तृत जानकारी दें। 10

प्रश्न 2. प्रकृति में अकीट मधुमक्खी शत्रुओं द्वारा कौन से हानि पहुँचायी जाती है? इन अकीट शत्रुओं द्वारा हानि की प्रकृति की विस्तृत जानकारी दें। 10

प्रश्न 3. मधुमक्खीयों के जीवाणु जनित रोगों के नियंत्रण की विधियों की विस्तार से वर्णन करें। 10

प्रश्न 4. मधुमक्खी पालन में मक्खीयों की सामायिक प्रबन्धन एक महत्वपूर्ण कार्यकलाप है। सम्बन्धित उदाहरण सहित विस्तार से चर्चा करें। 10

प्रश्न 5. फरार होना तथा मधु चुराना में अन्तर स्पष्ट कीजिए। उन परिस्थितियों की चर्चा करें जिसके तहत ये दोनों प्रक्रिया होती है। मधुमक्खीयों के इन व्यवहारों से होने वाले लाभों एवं नुकसानों की चर्चा करें। 10

## सत्रीय कार्य – 3
## पाठ्यक्रम कोड: OAPI-013
## पाठ्यक्रम शीर्षक: छत्ता उत्पाद एवं धुमक्खी पालन का अर्थशास्त्र

**अधिकतम अंक–50**

**नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।**

प्रश्न 1. मधु के उत्पादों के विपणन के प्रमुख रास्ते कौन–2 से हैं? इसकी विस्तार से चर्चा करें। मधु के उत्पादों की विपणन की सुधार हेतु विधियों की चर्चा करें। 10

प्रश्न 2. हमारे देश में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने वाली सरकारी परियोजनाओं के बारे में वर्णन करें। इन योजनाओं के महत्वपूर्ण लक्षणों की चर्चा करें। 10

प्रश्न 3. मधु का पैकेजिंग एवं ढुलाई अच्छे मूल्य प्राप्ति में कैसे सहायक हैं? उचित उदाहरण एवं विस्तृत विश्लेषण सहित चर्चा करें। 10

प्रश्न 4. प्रोपालिस के निष्कर्षण एवं उपयोगों की चर्चा करें। 10

प्रश्न 5. मधुमक्खी पालन के भिन्न विधियों की विस्तृत अर्थशास्त्र देते हुए चर्चा करें। 10